

सु नं० - ६४/२०२३

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विवरण
	१९/११/२५	पत्रावली पेश हुँदा वकील सहे हाटा कञ्चेली पेश कले पत्र पत्रावली प्रकटिडाउन दिनांक २०/०१/२५ को पेश हो	
	३०/११/२५	पत्रावली पेश हुँदा, अधिवक्ता सघ द्वारा कन्डोलिस/कार्य का बहिष्कार करने पत्रावली प्रकटिडाउन दिनांक २१/१२/२५ हुँ	
	२१/१२/२५	पत्रावली पेश हुँदा, अधिवक्ता सघ द्वारा कन्डोलिस/कार्य का बहिष्कार करने पत्रावली प्रकटिडाउन दिनांक २१/१२/२५ हुँ	
	२१/१२/२५	पत्रावली पेश हुँदा वकील उपल पत्र ३४१ वकील पार्की की बहाल हुनी गरी नया बहाल पारी राखी गरी। पत्रावली बहाल हेतु दिनांक २१/१२/२५ को पेश हो	रूप खण्ड अधिकारी जनवारासगढ
	०८/०२/२५	पत्रावली पेश हुँदा वकील उपल पत्रे अपास्मिता वकील उपल पत्रे की बहाल पत्रावली अनुरोध धारा १२४ एलन माद. एक पत्र हुनी गरी पत्रावली को अवलोकन दिवा गला पत्रावली वाला मादेश हेतु दिनांक ०९/०२/२५ को पेश हो	रूप खण्ड अधिकारी जनवारासगढ
	०९/०२/२५	पत्रावली पेश हुँदा वकील उपल पत्र ३४१ पत्रावली मादेश को अवलोकन	

फर्द अहकाम

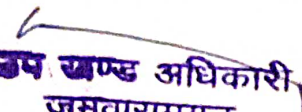
दायू वरुं बनाम नरानी वरुं

क्रय

उपखण्ड अधिकारी जमवारापगढ, जपपुर

68/2023

देनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>पत्तावली के सलगन जमीन का शर्करिन, पत्र अन्तर्गत धात 128 एल. माट. एक्ट व नरानीलडल जमवारापगढ कावा फुडुत जौका रिपोर्ट के अशर्करि ए. ए. ए. का लफलति एवाक ज. पत्र तवाक अशर्करि ए. ए. 7, 8, 9 धात फुडुत तैतलज अन्तर्गत ज. पत्र धात 128 एल. माट. एक्ट का अलकौकन करने एव वकील उपल पत्रों की बहाल का मनन करने पर पाता कि प्रकरण पहागढी का न होकर कबले का विवाद संबंधित बनता है। जिसके लिए शर्करि को सक्षम दस्तावेजों से अनुलोप प्राप्त करना चाहिए तथा नरानीलडल रिपोर्ट में भी पाहिए होता है कि अमल पत्रों के बीच कबले को लेकर विवाद है ऐसी। विचारों के शर्करि का शर्करिन। पत्र अन्तर्गत धात 128 एल. माट. एक्ट को अस्वीकार करने। उचित सपझात है अमल जमीन धात फुडुत शर्करिन। पत्र अन्तर्गत धात 128 एल. माट. एक्ट को पौषणीज नहीं होने पर स्वार्थिज किता जात है। पत्तावली के अल सुगाट होकर नमकर लं कल है तथा वाड धरि होकर सादिल कर है।</p>	


उप खण्ड अधिकारी,
जमवारापगढ